

नवजात शिशु सेप्सिस (जन्तुदोष) संबंधी जानकारी

परिभाषा : सेप्सिस (जन्तुदोष) एक प्रकार का संक्रमण है।

नवजात शिशुओं में सेप्सिस (जन्तुदोष) फेफड़े, मस्तिष्क अथवा खून का गंभीर संक्रमण हैं।

सेप्सिस (जन्तुदोष) सामान्यतया कितने बच्चों को होता है और कितना गंभीर रोग है ?

भारतवर्ष के ग्रामीण क्षेत्रों में 10 में से 1 नवजात शिशु को सेप्सिस (जन्तुदोष) हो जाता है।

जन्म के बाद पहले महीने में सेप्सिस (जन्तुदोष) होना बहुत खतरनाक है और इससे शिशु की मौत भी हो सकती है।

इलाज के अभाव में सेप्सिस (जन्तुदोष) से पीड़ित अधिकांश शिशु मर जाते हैं।

इलाज के बाद अधिकांश जीवित रहते हैं और उनका विकास/वृद्धि सामान्य रूप से होते हैं।

नवजात शिशुओं में सेप्सिस (जन्तुदोष) के कारण

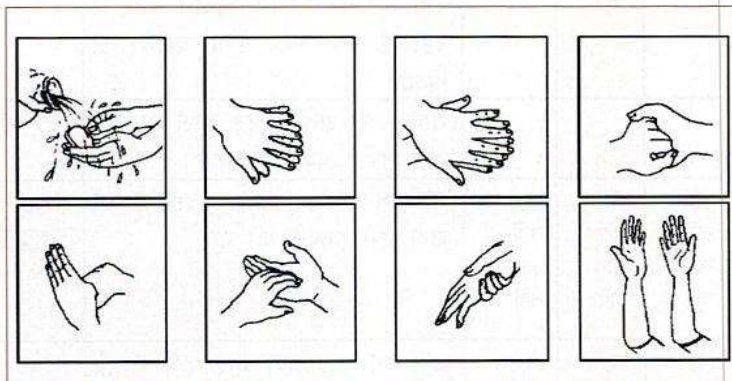
- 1) माँ को गर्भावस्था अथवा प्रसव के समय संक्रमण हुआ हो।
- 2) अस्वच्छता पूर्वक कराए गए प्रसव से (जिसमें हाथ गन्दे रहे हों, दाई ने माँ के अन्दरूनी हिस्सों में हाथ डाले हों, गन्दे ब्लेड और नाल बाँधने की डोरी का प्रयोग किया गया हो,) माँ/बच्चे को संक्रमण हो सकता है।
- 3) अस्वच्छतापूर्वक काटी गई नाल से या नाल पर उल्टी-सीधी चीजें लगाने से नाल में संक्रमण हो जाता है।
- 4) शिशु कमजोर, समय से पूर्व जन्मा या जन्म के समय कम वज़न का हो (2000 ग्राम से कम)।
- 5) स्तनपान शीघ्रता से जन्म के तुरंत बाद शुरू न कराने तथा केवल स्तनपान न कराने जैसी स्तनपान की गलत विधियोंसे शिशु कमजोर हो जाता है।
- 6) प्रसव के बाद ठंडा पड़ जाने से, शिशु कमजोर हो जाता है।
- 7) संक्रमित व्यक्ति – माँ, परिवार के अन्य सदस्य, दाई, आशा अथवा देखने आने वाले अन्य लोगों के सम्पर्क में आने से भी शिशु को संक्रमण हो सकता है।

सेप्सिस से बचाव

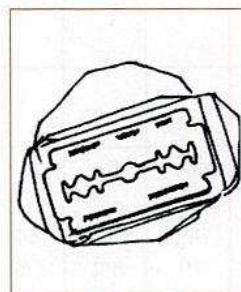
सेप्सिस (जन्तुदोष) को इन विधियों के इस्तेमाल से रोका जा सकता है :

- ✓ स्वच्छतापूर्वक काम करने से

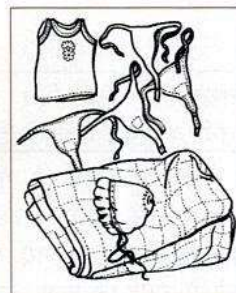
कई बार हाथ धोएँ



प्रसव के समय
स्वच्छ ब्लेड



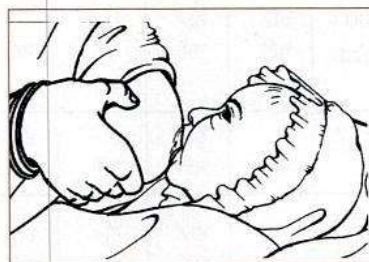
स्वच्छ कपड़ों का
प्रयोग



- ✓ शिशु को गर्म रखें (ठंडे मौसम में)



- ✓ स्तनपान (जल्दी शुरू कराएँ और शिशु के माँगने पर/कई बार दें)



- ✓ नाल को साफ सूखा रखें

